Jansatta, Delhi
Wednesday, 18th September 2019; Page: 6
Width: 26.74 cms; Height: 87.11 cms; a3; ID: 14.2019-09-18.46

संवेदनहीन सरकार

पिछले साल बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में जब एक बालिका गृह में चौंतीस लड़कियों के बलात्कार और उन पर अत्याचार का मामला सामने आया था, तो यह समूचे देश में चिंता का विषय बना था। समूची घटना के जिस तरह के ब्योरे उजागर हुए थे, उससे स्वाभाविक ही यह सवाल उठा था कि क्या किसी राज्य की सरकार इस कदर संवेदनहीन हो सकती है कि पहले ही मजबूरी और लाचारी की हालत में जी रही छोटी-छोटी बच्चियों पर अत्याचार की घटनाओं के प्रति आंखें मूंदे रहे! विडंबना यह है कि न तो पहले बिहार सरकार ने ऐसी घटनाओं की रोकथाम और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई को जरूरी समझा, न मामले के सामने आने के बाद उसे संवेदनशील होने और जिम्मेदारी निबाहने की जरूरत लगी। हालत यह है कि मुजफ्फरपुर के बालिका गृह में जिस बच्ची के खिलाफ लंबे समय तक यौन हिंसा हुई थी, उसे एक बार फिर बलात्कार का दंश झेलना पड़ा। खबरों के मुताबिक, बेतिया में जब वह सड़क से गुजर रही थी तो चार लोगों ने उसे जबरन कार में खींच लिया और चलती गाड़ी में उससे सामूहिक बलात्कार किया। यह अपने आप में झकझोर देने वाली घटना है कि लंबे समय तक जिस यातना से गुजर कर पीड़ित लड़की किसी तरह से एक जगह से मुक्त हो सकी थी, बाहर आने के बाद उसे फिर उसी अपराध का सामना करना पड़ा।

सवाल है कि राज्य सरकार और उसके शासन-तंत्र को क्या अपनी इस जिम्मेवारी का अहसास है कि पीड़ित लड़की के खिलाफ हुए अपराध उसकी लापरवाही का नतीजा हैं? राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने सोमवार को उचित ही बिहार सरकार और राज्य के पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर चार हफ्तों के भीतर जवाब मांगा है और राष्ट्रीय महिला आयोग ने मामले की जांच के लिए एक समिति गठित की है। पिछले साल जिन हालात में पीड़ित लड़की को मुजफ्फरपुर बालिका गृह से निकाला गया था, उसमें उसकी सुरक्षा, संरक्षण और उसे इंसाफ दिलाने की जवाबदेही किसकी है? बालिका गृह में लंबे समय से उतनी बड़ी तादाद में बच्चियों को कई तरह की यातनाओं से गुजरना पड़ रहा था तो वह किसकी अनदेखी का नतीजा था? जहां ऐसे आश्रय गृहों की नियमित जांच और उसमें गड़बड़ी पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना सरकार की जिम्मेदारी होनी चाहिए थी, वहां अगर एक स्वतंत्र संस्थान- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज सोशल ऑडिट के लिए नहीं पहुंचता तो शायद यह मामला और लंबे वक्त तक दबा रहता। क्या ऐसा इसलिए होता रहा कि इस समूचे प्रकरण में शामिल लोग ऊंचे कद के हैं और उनकी खासी राजनीतिक पैठ है? आखिर किन वजहों से सरकार ने इसके आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने में नरम रवैया अख्तियार किया था?

इस लिहाज से देखें तो राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की यह टिप्पणी अपने आप में हालत बताने के लिए काफी है कि बलात्कार पीड़िता राज्य सरकार की बेपरवाही की पीड़ित बन गई है; लड़की को दो बार बलात्कार का शिकार बनाया जाना बिहार में अराजकता का संकेत देता है और अपराधी कानून से बेखौफ खुल कर अपनी इच्छानुसार जघन्य अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। गौरतलब है कि पिछले साल मामले के उजागर होने के बाद राज्य सरकार को काफी तल्ख सवालों का सामना करना पड़ा था। मगर हैरानी की बात यह है कि उसके बाद भी सरकार को संवेनदशीलता और आरोपियों के खिलाफ सख्ती बरतना जरूरी नहीं लगा। अब अगर बालिका गृह में पहले ही बलात्कार और यातना झेल चुकी लड़की को दुबारा उसी त्रासदी का सामना करना पड़ा है तो उसकी जवाबदेही किस पर आएगी?

कल्पमेधा

उड़ने के बजाय जब झुकते हैं, तब
बुद्धि के ज्यादा पास होते हैं।
- वर्ड्सवर्थ

Hindu, The, Delhi
Wednesday, 18th September 2019; Page: 12
Width: 33.78 cms; Height: 23.54 cms; a3r; ID: 33.2019-09-18.74

All 4 accused in Bettiah gang-rape case held

Police deny that victim was recently released from the Muzaffarpur shelter home

PRESS TRUST OF INDIA
PATNA/BETTIAH

All four persons named as accused in the Bettiah gang-rape case have been arrested and the complainant, who claimed she was 18 years old, turned out to be a minor, a police officer said on Tuesday.

'Confessed involvement'

Additional Director General of Police (Headquarters) Jitendra Kumar said that the four accused, including two brothers, have confessed to their involvement with the girl last week.

Bettiah SP Jayantkant said all four accused named in the FIR – Akash Kumar, Sajan Kumar, Kundan Kumar and Anshu Kumar – have been arrested.

"All of them, including siblings Akash and Sajan, are said to be known to the girl. The victim and the accused reportedly used to visit each other," he said.

Earlier, the SP had said that the complainant, in her FIR, stated she was raped by the four on Friday in a moving car in Bettiah, the district headquarters of West Champaran. Mr. Jayantkant had also said that the medical examination reports of the girl showed "no internal or external injury" which was unusual in case of a sexual assault. He, however, maintained that the police had "not ruled out anything" as of now.

'Girl a minor'

In Patna, the ADG said, "The girl's medical examinations suggest that her age is between 15 and 17 years. During interrogation, the accused have confessed that they had intercourse with the girl. Even if it was with mutual consent, it becomes immaterial and falls in the category of an offence as the girl is a minor."

Search for another man

He also said that police were looking for another unnamed person in connection with the case.

The ADG clarified that the girl was not among the eight former inmates of the Muzaffarpur shelter home who were recently released and reunited with their families upon a Supreme Court direction.

"The girl had gone missing from her home in May last year and found at a railway station in Muzaffarpur. She was kept at the shelter home for a week and shifted to Mokama thereafter. She was released from the Mokama care unit," the ADG said.

He, however, declined to divulge more details about the girl, saying "the identity of a sexual offence victim, especially a minor, has to be kept secret. Sharing more information will give it away".

Expressing outrage over the Bettiah incident, the National Human Rights Commission and the National Commission for Women had shot off missives to top officials in Bihar.

The NCW, which took suo motu cognisance of the incident, asked the Director General of Police to treat the case on priority, while the NHRC sought a detailed report in four weeks.

Pioneer, Delhi
Wednesday, 18th September 2019; Page: 7
Width: 8.72 cms; Height: 17.27 cms; a4; ID: 5.2019-09-18.80

Medical tests show victim minor: Police

He, however, declined to divulge more details about the girl, saying "the identity of a sexual offence victim, especially a minor, has to be kept secret. Sharing more information will give it away".

Expressing outrage over the Bettiah incident, the National Human Rights Commission (NHRC) and the National Commission for Women (NCW) had shot off missives to top officials in Bihar.

The NCW, which took suo motu cognizance of the incident, has asked the Director General of Police to treat the case on a priority, while the NHRC has sought a detailed report on the case in four weeks.